>

Title: Need to conduct an enquiry into the alleged corruption in Medical Council of India.

**श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा):** सभापति महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। देश में चिकित्सा कालेजों की व्यवस्था पर नियंत्रण करने वाले मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डा. केतन देसाई को दो करोड़ रुपये की रिश्वत लेते हुए सीबीआई ने रंगे हाथ पकड़ा है और छापे के दौरान 1800 करोड़ रुपये नकद एवं डेढ़ टन सोना मिला है जो साबित करता है कि ...(व्यवधान) * गलत कालेजों एवं अयोग्य डाक्टरों को बनाने का सिलसिला लम्बे समय से चल रहा है। अभी कुछ दिन पूर्व मेडिकल काउंसिल ने वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री जी की बहुत तारीफ की और स्वास्थ्य मंत्री जी ने मेडिकल काउंसिल की काफी प्रशंसा की थी और बताया था कि काउंसिल इस वक्त बहुत अच्छा काम कर रही है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री एवं मेडिकल काउंसिल के बीच बहुत ही मधुर संबंध थे। ...(व्यवधान)

**श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज):** सभापति महोदय, माननीय सदस्य सीधा-सीधा मंत्री जी पर आरोप लगा रहे हैं।...(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Chairman, Sir, an allegation against a Minister should not go on record.

**श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण :** मैं एलीगेशन नहीं कर रहा हूं, मैं इन्फार्मेशन दे रहा हूं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Allegation against a Minister will not go on record but the information given by the hon. Member will go on record. Allegation against a Minister may be deleted.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, hon. Member Dr. Jyoti Mirdha had already raised this issue in the morning. How can the same subject be raised by him again? Let him associate himself, if he wants.

**श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण :** सभापति महोदय, यह केवल इन्फोर्मेशन है। ...(व्यवधान)

उनकी जुगलबंदी देखने लायक थी। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : You can associate with the other hon. Member, who has already raised this issue.

**श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण :** सभापति महोदय, मेरी केवल दो लाइन बाकी है। ...(व्यवधान)

मैं एलीगेशन नहीं कर रहा हूं। मेरा इरादा भी ऐसा नहीं है। ...(व्यवधान) मेरा कोई ऐसा इरादा नहीं है कि मैं किसी पर एलीगेशन करूं। ...(व्यवधान) जो भी प्रस्ताव मेडिकल काउंसिल से नये कालेज खोलने का आता था, उसे आंख बंद करके मंजूर कर दिया जाता था। देसाई पर आरोप पहले भी लगे थे और एनडीए शासन में उसे हटा भी दिया गया था। लेकिन बाद में वे दोबारा अध्यक्ष बन गये। इस तरह हमारे देश के डाक्टरों को बनाने के लिए जिन गलत कालेजों को मान्यता डॉक्टर केतन देसाई ने दी है, उसकी जांच की जाये और भ्रष्ट आचरण के लिए उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाये।

**श्री रामसिंह राठवा (छोटा उदयपुर):** सभापति महोदय, मैं भी इस विषय के साथ अपने को एसोसियेट करता हूं।